



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 440]
No. 440]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 15, 1984/कार्तिक 24, 1906
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 15, 1984/KARTIKA 24, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलन संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1984

मा. का. नि. 764(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय ग्राह्य नियम, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. प्रा. 9(अ) तारीख 4 जनवरी, 1984 के अधीन, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खंड 3 उपखंड (i) तारीख 4 जनवरी, 1984 के पृष्ठ 10 से 8 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी उसकी प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी नब्बे दिन की अवधि के अवसान से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 4 जनवरी, 1984 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्थापनाओं के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है।

1087 GI/84

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

नियम :

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण तीसरा (संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे सिवाए नियम 2, 3, 4, 5, 7(क), 9, 10 (ख) 14(ख) और 14 (ग) के जो ऐसे प्रकाशन की तारीख के एक वर्ष पश्चात् प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 26, में—(क) खंड (छ) का लोप किया जाएगा, (ख) स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्—

4. स्पष्टीकरण : तेल में अनारों रंग का घोल तैयार करने में इन नियमों के परिशिष्ट "ख" में सूचीबद्ध किसी भी खाद्य वनस्पति तेल का अकेले या किसी के साथ मिलाकर प्रयोग किया जा सकेगा और प्रयोग किए गए तेल या तेलों के नाम नियम 42 के उपनियम (2) में यथा उपबोधित के अनुसार लेबल पर उल्लिखित कि जाएंगे।

3 उक्त नियमों के नियम 29 में,—

(1) खण्ड (ब) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् —

(ब) बातलबद या डिब्बाबद स्ट्राबेरी और चेरी, बातलबद या डिब्बाबद मटर, परिश्रित या प्रसंस्कृत पकाया, डिब्बाबद टमाटर का रस, फल मिर्च, फल स्क्वेम, (शर्बत) फल पैर या फल मदिरा, मुरब्बा और मार्मलेड" (11) खण्ड (1) का लोप किया जाएगा,

4 उक्त नियमों के नियम 42 में उप नियम (स) के पश्चात् निम्न-लिखित उपनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा अर्थात् —

2(ग) जिन पैकजों में बनस्पति तेलों में अनारों रंग अन्तर्विष्ट है उन पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा, अर्थात् —

"तल में अनारों रंग

प्रयोग किए गए

[तल/तलों का नाम]"

5 उक्त नियमों के नियम 45 क में, खण्ड (VI) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा अर्थात् —

II (VI) सभी खाद्य रसों का जिनके अंतर्गत उनके केसरी और पीले रंग से भिन्न प्राकृतिक रंग पदार्थ और अनुशात कोल्लार खाद्य रस, उनकी निर्मिति या सम्मिश्रण भी है, शिथिल केवल भार-मीय मानक सम्पन्न प्रमाणित चिह्न के अधीन किया जाएगा।

6 उक्त नियमों के नियम 53 में,—

(4) खण्ड (अ) में,—

(1) मद (ड) और उससे संबंधित प्रविष्टि का लोप किया जाएगा,

(11) मद (ट) और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्न-लिखित मद स० और प्रविष्टि अंतर्स्थापित की जाएगी, अर्थात्

"(1) खाद्य वनस्पति तेल,

(ख) खण्ड (11) में, मद (ड) में शब्द "और" का लोप किया जाएगा और मद (क) और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अंतर्स्थापित की जाएगी, अर्थात् —

(छ) मेथिल या प्रोपिल पैराहाइड्राक्सी बेंजोइक,

(ज) प्राजिऑनिक अम्ल, जिसके अंतर्गत एस्टर या उनके लवण हैं,

(झ) सोडियम डाईएस्मोटेट और

(ञ) सोडियम, पाटाशियम और कैल्शियम और लैक्टिक अम्ल के लवण।"

7 उक्त नियमों के नियम 55 में की सारणी में,—

(क) मद स० 2 में उपमद (क) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित उप-मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् —

(क) चेरी सल्फरडाईआक्साइड 2000"

(ख) मद 31 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी अर्थात् —

1 2 3

"12 (क) सूप (डिब्बाबद सल्फरडाईआक्साइड 150 में भिन्न)

(ख) सखा मूग 1500

(ग) निजमित मूष मि-

थ्रण जब डिब्बों में भिन्न

आधानों में भी पैक किया

जाता है।

1500

1	2	3
33 फल और शाक शर्करा पाउडर, अजीर	सल्फरडाईआक्साइड	600
34 माजिन खाद्य के लिए भाटा	सोडियम डाईएस्मोटेट या प्रापायलेट या सीधिन या प्रोपिल हाइड्रोजेनी बेंजोएट	2500 500

8 उक्त नियमों के भाग 10 में नियम 55 क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

"55ख. नाइट्रेट और नाइट्राइट्स के प्रयोग पर निर्बन्ध—

किसी शिशु आहार में कोई नाइट्रेट या नाइट्राइट नहीं बिनाया जाएगा।"

9 उक्त नियमों के भाग II में निम्नलिखित भाग अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

"भाग II क फल सद्बोध और प्राकृतिक रूप में पैरा होने वाला पदार्थ

57-क फल सद्बोध—(1) फल सद्बोध में ऐसी पदार्थ अभिविष्ट हैं जो खाद्य में संशय नहीं मिलता जाता है, किन्तु जो खाद्य पदार्थों में उनके उत्पादन की प्रक्रिया (जिनके अंतर्गत खेती करने, पशुपालन और पशु औषधि में की गई सक्रियाएँ भी हैं), विनिर्माण, प्रसंस्करण निर्मिति, अभिक्रियास्वयन, पैक करने, पैकेज करने या ऐसी खाद्य वस्तुओं के परि-वहन पद्धति में—

पर्यावरण सद्बोध के परिणाम स्वरूप मिल जाते हैं।

(2) नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट किसी खाद्य पदार्थ में उक्त सारणी के स्तम्भ (I) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट केवल संदूषण, उक्त सारणी के स्तम्भ 3 की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक नहीं होगे।

संदूषण का नाम	खाद्य सामग्री	मि या कि० ग्रा०
1	2	3
एक्साटोक्सीन	सभी खाद्य सामग्री	0.03

57-ख. प्राकृतिक रूप में पैरा होने वाले विषैले पदार्थ—

नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विषैले पदार्थ जो किसी खाद्य पदार्थ में प्राकृतिक रूप से पैरा होते हैं उक्त सारणी के स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट परिणाम में अधिक नहीं होगा।

पदार्थ का नाम	अधिकतम परिसीमा
1	2
मेसेरिक अम्ल	100 पी पी एम
हाइड्रोनायनिक अम्ल	5 पी पी एम
हाइपरिस्मोन मेकराल	1 पी पी एम
	10 पी पी एम

10 उक्त नियमों के नियम 59 में—

(क) पहले परतुक में मद 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् —

"5 एम्बोबिल पालमोटेड 0.2 प्रतिशत"

(ख) पाचवे परंतुक में, "श्रीग धूम्रविनिम हाइड्राक्सी टायुइन (बी. एन टी.) या तो अकेला या संयुक्त रूप में" शब्द, कोष्ठकों और अक्षरों का लोप किया जाएगा।

11. उक्त नियमों के नियम 62 में के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखे जाएंगे अर्थात् —

(1) परंतु खाद्य तमक, प्याज के पाउडर, लड्डू के पाउडर, कफो के रूप में या तो अकेले या संयुक्त रूप में 2.0 प्रतिशत या अधिक की मात्रा में नहीं होंगे, अर्थात् :—

- (1) कैल्शियम और मैग्नीशियम के कार्बोनेट
- (2) कैल्शियम और मैग्नीशियम के फास्फेट
- (3) कैल्शियम, मैग्नीशियम, एंथुमिनियम या सोडियम के ग्लूटामेट या ग्लूटामाट
- (4) एंथुमिनियम, आर्गानियम, बेल्सियम, फोटासियम या सोडियम के माइग्रेस्टेट, पाल्मेटेट या सिट्रेट।

12 उक्त नियमों के भाग 15 में—

(क) तीर्थों के स्थान पर निम्नलिखित तीर्थों का उल्लेख किया जाएगा, अर्थात् — "भाग 13—सुनिश्चित और संशोधित पदार्थ"

(ख) नियम 61, 61 क, 61 क क और 64 ख के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे अर्थात् —

"64.—सुनिश्चित में विनायक—डाइग्लिसेरीन स्थायीकरण और मोनोग्लाइसेरीन की सुनिश्चित में विनायक के रूप में उपयोग नहीं किया जाएगा।

64-क. गुणवत्ता में प्रति आक्सीकारक, पायसीकारक और स्वादकारक का खाद्य परिपक्वता का उपयोग—सुनिश्चितों में अनुमत प्रतिस्पर्धीकारक, पायसीकारक और स्वादकारक और खाद्य परिपक्वता होंगे।

64-ख. मोनोग्लाइसेरीन और ग्लूटामेट का उपयोग—मोनोग्लाइसेरीन, ग्लूटामेट खाद्य पदार्थ में मिलाया जा सकेगा परंतु यह सब जब कि तैयार खाद्य पदार्थ में, कुल ग्लूटामेट की श्रृंखला 1 प्रतिशत से अधिक न हो। यह किसी भी आहार में नहीं मिलाया जाएगा जो बारह मास से कम आयु के शिशु द्वारा उपयोग के लिए है।

13 उक्त नियमों के भाग 15 के पश्चात् निम्नलिखित भाग संशोधित किया जाएगा, अर्थात् —

"भाग 16 प्रच्छादक उभय प्रतिरोधी (अम्ल क्षारक और लवण)

70 प्रच्छादकों को परिभाषा —प्रच्छादक वे पदार्थ हैं जो कीटाणुनाशक बगल वाले खाद्यों के आक्सीकरण ग्राहक का उत्प्रेरण वाली धातुओं के प्रतिकूल प्रभाव का रोकता है, जिससे कि विस्फोटक अम्ल और विषम गंध को रोका जा सके।

71 उभय प्रतिरोधीकरण को परिभाषा उभय प्रतिरोधी का एक वे पदार्थ है जो, संरक्षण और प्रसंस्करण के दौरान अम्ल और क्षारीय परिवर्तनों को रोकने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, जिससे कि खाद्यों की मरुति और स्थायित्व बढ़ जाता है।

72 प्रच्छादकों और उभय प्रतिरोधी कारकों के उपयोग पर निर्बंधन—इन नियमों में जब तक अन्यथा उपबंधित न हो नीचे दी गई मांगों के संसर्ग (1) में विनिर्दिष्ट प्रच्छादक और उभय प्रतिरोधी कारक उक्त मांगों के संसर्ग (2) की तय्यानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट खाद्य के समूह में, उक्त मांगों की संसर्ग (3) में की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अंगणों में अतीथक मात्रा में उपयोग किए जा सकते हैं।

मांगों		
प्रच्छादक और उभय प्रतिरोधी कारकों के नाम	खाद्य के समूह	उपयोग का अधिकतम स्तर 1 भाग प्रति एक लाख पी (पीएम) (मि. ग्रा./कि. ग्रा.)
1	2	3
1 ऐसीटिक अम्ल	(1) पेयों, गुठि पका में आल्मीन-कारक, उभय प्रतिरोधी कारक और निष्प्रभावक कारक	जी. एम. वा. द्वारा परिमित
2 एंजिक भाग	(2) डिब्बा बंद शिशु आहार	3,000
3 अमोनियम फास्फेट एक क्षारकी	प्रतिपानी लवण और आहार खाद्य	250
4 अमोनियम कार्बोनेट	इवलीटी का स्वादकारक	2,500
5 कैल्शियम ग्लूटामेट	अम्ल खाद्यों, मिष्ठानों के लिए किण्वन कारक मिष्ठानों में	5,000
6 कैल्शियम फास्फेट	कई खाद्यों में निष्प्रभावक कारकों के रूप में।	10,000
7 कैल्शियम बेंजोएट	विनिर्दिष्ट डेरी उत्पादों में निष्प्रभावक कारक के रूप में	2,500
8 चिट्रिक अम्ल	बार्बोनिट पद और प्रकीर्ण खाद्यों में आम्मीकारक के रूप में	जी. एम. पी. द्वारा परिमित
9 ग्लूकोनो लैक्टोन	किण्वन कारक सफाया भाग और मास उत्पाद	5,000
10 डी. एन. लैक्टोन	प्रकीर्ण खाद्यों में आम्मीकारक के रूप में	जी. एम. पी. द्वारा परिमित
11 फास्फोरिक अम्ल	पेय मृदुपद	6,000
12 6 फास्फेट	(क) संशोधित पानीर, उपलब्ध राशे अर्थात् से कम	10,000
पोरफास्फेट वाले	(ख) दुग्ध विनिर्मित (ग) केक मिश्रण (घ) प्रोटीन खाद्य आम्मीकारक	1,000 10,000 4,000
13 एन (+) टार्टरिक अम्ल	आम्मीकारक	6,000

टिप्पण — डी. एन. लैक्टोन अम्ल और एन (+) टार्टरिक अम्ल 12 मास में कच्चे जंतु के अणुओं के खाद्य में नहीं मिलाए जाएंगे (लैक्टिक अम्ल, भारतीय मातक संस्था अधिसूचित विनिर्देशों के अनुरूप भी होगी।)

14 उक्त नियमों के परिशिष्ट "ख" में —

(क) सब क. 10 07 के पश्चात् निम्नलिखित सब अवस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

"क" 10 07 क. 07 के पश्चात् में पेरा पाउडर अम्ल है जो मिश्रितिया मिलान (एन) टीव, (कै. एंथुमिनोमाग)

के भुनीकालियो से प्राप्त होता है और भूमी से मुक्त होगा। यह किसी कृत्रिम रंजक सुरुचिकारक बाह्य पदार्थ या काचन पदार्थ से मुक्त होगा और विह्वल या घृणाजनक सुहृदि से मुक्त अच्छी सूखी और ताजा हावन में होगा। यह निम्नलिखित मानकी के अनुरूप भी होगा; अर्थात् —

- (i) कुल भस्म भार में 1.2 प्रतिशत से अधिक नहीं
(ii) तनु अपिलेख भार में 5 प्रतिशत से अधिक नहीं।
(iii) टैन्नि अवर्बस्तु 0.1 प्रतिशत से कम नहीं और 0.15 प्रति में अधिक नहीं।”

(ख) मदक 16.01 16.03-ग के 16.03, क 16.04, क 16.05 क. 16.06 क 16.07, क 16.09 और क 16.12 में “क्यूमेरिक अम्ल का उपयोग 0.5 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक किया जा सकता है।” शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा ;

(ग) मदक 16.02 में, —

(i) खड्ड (घ) का लोप किया जाएगा ;

(ii) इस प्रकार लोप किए गए खड्ड (घ) के पश्चात् में निम्नलिखित परन्तुक अतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—
“परन्तु यह कि डिब्बा बर टम्पटररम में बाह्य अनुमान रंग होगा ,”

(iii) अंत में आने वाले “क्यूमेरिक अम्ल, का उपयोग 0.5 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक किया जा सकता है।” शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

टिप्पण : खाद्य अप्रामिश्रण निवारण नियम, 1955 से संबंधित मूल नियम प्रथम बार भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड 3 में का. नि. घा. 2106, तारीख 12.9.55 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए—

- 1 का. नि. घा. 1202, तारीख 26.5.56
- 2 का. नि. घा. 1687, तारीख 28.7.56
- 3 का. नि. घा. 2213, तारीख 28.9.56 (अमाधारण)
- 4 का. नि. घा. 2755, तारीख 24.11.56
उनमें किए गए और संशोधन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (i) में निम्न प्रकार प्रकाशित किए गए थे.—
- 5 मा. का. नि. 514, तारीख 23.6.58
- 6 सा. का. नि. 1211, तारीख 20.21.58
- 7 सा. का. नि. 425, तारीख 4.4.60
- 8 सा. का. नि. 169, तारीख 11.2.61
- 9 सा. का. नि. 1134, तारीख 16.9.61
- 10 मा. का. नि. 1340, तारीख 4.11.61
- 11 सा. का. नि. 1564, तारीख 24.11.61
- 12 सा. का. नि. 1580, तारीख 20.10.64
- 13 सा. का. नि. 1814, तारीख 11.12.65
- 14 सा. का. नि. 74, तारीख 8.1.65
- 15 सा. का. नि. 382, तारीख 19.3.66
- 16 सा. का. नि. 1258, तारीख 26.8.67
- 17 सा. का. नि. 1533, तारीख 24.8.68
- 18 सा. का. नि. 2163, तारीख 14.12.68 (शुद्धिपत्र)
- 19 सा. का. नि. 532, तारीख 8.3.69
- 20 सा. का. नि. 1764, तारीख 26.7.69 (शुद्धिपत्र)
- 21 सा. का. नि. 2068, तारीख 30.8.69
- 22 सा. का. नि. 1869, तारीख 21.10.70
- 23 सा. का. नि. 938, तारीख 12.6.71
- 24 सा. का. नि. 992, तारीख 3.7.71
- 25 सा. का. नि. 553, तारीख 6.5.72
- 26 सा. का. नि. 436 (अ) तारीख 10.10.72

- 27 सा. का. नि. 133, तारीख 10.2.73
- 28 सा. का. नि. 205, तारीख 23.2.74
- 29 सा. का. नि. 850, तारीख 12.7.75
- 30 सा. का. नि. 508, (अ) तारीख 27.9.75
- 31 सा. का. नि. 63 (अ) तारीख 5.2.76
- 32 सा. का. नि. 754, तारीख 29.5.76
- 33 सा. का. नि. 856, तारीख 12.6.76
- 34 सा. का. नि. 1417, तारीख 2.10.76
- 35 सा. का. नि. 4(अ) तारीख 4.1.77
- 36 सा. का. नि. 18(अ) तारीख 15.1.77
- 37 सा. का. नि. 651 (अ), तारीख 20-10-77
- 38 सा. का. नि. 732 (अ), तारीख 5-12-77
- 39 सा. का. नि. 775 (अ), तारीख 27-12-77
- 40 सा. का. नि. 36 (अ) तारीख 21-1-78
- 41 सा. का. नि. 70 (अ), तारीख 8-2-78
- 42 सा. का. नि. 238 (अ) तारीख 20-4-78
- 43 सा. का. नि. 393 (अ), तारीख 4-8-78
- 44 सा. का. नि. 590 (अ) तारीख 23-12-78
- 45 सा. का. नि. 55 (अ) तारीख 31-1-79
- 46 सा. का. नि. 142 (अ), तारीख 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
- 47 सा. का. नि. 231 (अ), तारीख 6-4-79
- 48 सा. का. नि. 423, तारीख 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
- 49 सा. का. नि. 1043, तारीख 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
- 50 सा. का. नि. 1210, तारीख 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
- 51 सा. का. नि. 19 (अ), तारीख 28-1-80
- 52 सा. का. नि. 243, तारीख 1-3-80
- 53 सा. का. नि. 244, तारीख 1-3-80
- 54 सा. का. नि. 996, तारीख 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
- 55 सा. का. नि. 579 (अ) तारीख 13-10-80
- 56 सा. का. नि. 652 (अ) तारीख 14-11-80
- 57 सा. का. नि. 710 (अ) तारीख 22-12-80
- 58 सा. का. नि. 23 (अ) तारीख 16-1-81
- 59 सा. का. नि. 205 (अ) तारीख 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
- 60 सा. का. नि. 290 (अ) तारीख 13-4-81
- 61 सा. का. नि. 114, तारीख 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
- 62 सा. का. नि. 503 (अ) तारीख 1-9-81
- 63 सा. का. नि. 891, तारीख 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
- 64 सा. का. नि. 1056, तारीख 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
- 65 सा. का. नि. 80 तारीख 23-1-82 (शुद्धिपत्र)
- 66 सा. का. नि. 44 (अ) तारीख 5-2-82
- 67 सा. का. नि. 57 (अ) तारीख 11-2-82
- 68 सा. का. नि. 245 (अ), तारीख 11-3-82
- 69 सा. का. नि. 307 (अ) तारीख 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
- 70 सा. का. नि. 386, तारीख 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
- 71 सा. का. नि. 422 (अ), तारीख 24-5-82
- 72 सा. का. नि. 476 (अ) तारीख 29-6-82
- 73 सा. का. नि. 504 (अ), तारीख 20-7-82
- 74 सा. का. नि. 753 (अ) तारीख 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
- 75 सा. का. नि. 109 (अ), तारीख 26-2-83

- 76 सा.का.नि. 219 (अ), तारीख 8-3-83
 77 सा.का.नि. 268 (अ), तारीख 16-3-83
 78 सा.का.नि. 283 (अ), तारीख 26-3-83
 79 सा.का.नि. 319 (अ), तारीख 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
 80 सा.का.नि. 539 (अ), तारीख 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
 81 सा.का.नि. 634, तारीख 9-9-83 (शुद्धिपत्र).
 82 सा.का.नि. 745 तारीख 8-10-83 (शुद्धिपत्र)
 83 सा.का.नि. 790 (अ), तारीख 10-10-83
 84 सा.का.नि. 803 (अ), तारीख 27-10-83
 85 सा.का.नि. 816 (अ), तारीख 3-11-83
 86 सा.का.नि. 829 (अ), तारीख 7-11-83
 87 सा.का.नि. 848 (अ), तारीख 19-11-83
 88 सा.का.नि. 893 (अ), तारीख 17-12-83
 89 सा.का.नि. 113 (अ), तारीख 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
 90 सा.का.नि. 500 (अ), तारीख 9-7-84
 91 सा.का.नि. 612 (अ), तारीख 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
 92 सा.का.नि. 744 (अ), तारीख 27-10-84

[नं. 15014/6/82-पी. एन. (एफ एड एन) पी एफ ए]

एन. बी. सुब्रह्मण्यम, सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th November, 1984

NOTIFICATION

G.S.R. 764(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. 9(E), dated the 4th Jan., 1984 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 4th January, 1984 at pages 1—8, inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 4th January, 1984 and the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except rules 2, 3, 4, 5, 7(a), 9, 10(b), 14(b) and 14(c) which shall come into force after one year from the date of such publication.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, (hereinafter referred to as the said rules) in rule 26,—

(a) clause (g) shall be omitted;

(b) for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely :—

“Explanation :—In the preparation of the solution of annatto colour in oil, any edible vegetable oil listed in Appendix ‘B’ to these rules may be used either singly or in combination and the name of the oil or oils used shall be mentioned on the label as provided in sub-rule (Z) of rule 42.”

3. In rule 29 of the said rules,—

(i) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely :—

“(f) bottled or canned strawberries, and cherries, bottled or canned peas, preserved or processed papaya, canned tomato juice, fruit syrup, fruit squash, fruit beverage or fruit drink, jam and marmalade”;

(ii) clause (1) shall be omitted;

4. In rule 42 of the said rules, after sub-rule (v), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(z) A package containing annatto colour in vegetable oils shall bear the following label, namely :—

Annatto colour in oil
(Name of oil/oils) used”

5. In rule 48-A of the said rules, for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely :—

“(vi) All food colours, including natural colouring matter and permitted coal-tar food colours, their preparation or mixtures, except saffron and curcumin, shall be sold only under Indian Standards Institution Certification mark.”

6. In rule 53 of the said rules,—

(a) in clause (i),—

(i) item (e) and entry relating thereto, shall be omitted;

(ii) after item (k) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be inserted, namely :—

“(l) edible vegetable oil;”

(b) in clause (ii), in item (e), the word “and” shall be omitted and after item (f) and the entry relating thereto, the following items and entries shall be inserted, namely :—

“(g) Methyl or propyl Parahydroxy-Benzate.

(h) Propionic acid, including esters or salts thereof.

(i) sodium diacetate, and

(j) sodium, potassium and calcium salts of lactic acid.”

7. In rule 55 of the said rules, in the table—

(a) in item No. 2, for sub-item (a) and entries relating thereto, the following sub-item and entries shall be substituted, namely :—

“(a) cherries	Sulphurdioxide	2000”
(b) after item 31 and the entries relating thereto the following items and entries shall be substituted, namely :—		
1	2	3
“32. (a) Soups (other than canned)	Sulphurdioxide	150
(b) Dried soups	Sulphurdioxide	1500
(c) Dehydrated soup mix, when packed in containers other than cans	Sulphurdioxide	1500

1	2	3
33 Fruits and vegetable, flakes, powder, ligs	Sulphurdioxide	600
34 Flour for baked food	Sodium diacetate or Propionates or Methyl propyl hydroxy Benzoate	2500 3200 500

8 In part X of the said rules after rule 55A, the following rule shall be inserted, namely —

* 55B Restriction on use of nitrate and nitrite —No nitrate or nitrite shall be added to any infant food "

9 After Part XI of the said rules, the following Part shall be inserted, namely —

"PART XI A—CROP CONTAMINANTS AND NATURALLY OCCURRING TOXIC SUBSTANCES

57 A Crop contaminants (1) Crop contaminant means any substance not intentionally added to food, but which gets added to articles of food in the process of their production (including operations carried out in crop husbandry, animal husbandry and veterinary medicine) manufacture, processing, preparation treatment packing, packaging, transport or holding of articles of such food as a result of environmental contamination.

(2) No article of food specified in column (2) of the Table below shall contain any crop contaminant specified in the corresponding entry in a column (1) the limit in excess of quantities specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table

Name of the contaminants	Article of Food	mg/kg
(1)	(2)	(3)
Aflatoxin	All articles of food	0.03

57 B-NATURALLY OCCURRING TOXIC SUBSTANCES

The toxic substances specified in column (1) of the Table below, which may occur naturally in any article of food, shall not exceed the limit specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table —

TABLE

Name of substance	Maximum limit
(1)	(2)
Agaric acid	100 ppm
Hydrocyanic acid	5 ppm
Hypocyanic	1 ppm
Saffrole	10 ppm

10 In rule 59 of the said rules,—

(a) in the proviso for item 5 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely —

5 Acetyl Palmitate 0.02 per cent "

(b) in the fifth proviso, the word brackets and letters "and butylated hydroxytoluene (BHT) either singly or in combination shall be omitted

11 In rule 62 of the said rules, for the proviso, the following proviso shall be substituted namely —

"Provided that table salt, onion powder, garlic powder, fruit powder and soup powder may contain the following

anticaking agents in quantities not exceeding 2.0 per cent, either singly or in combination namely —

- (1) carbonates of calcium and magnesium
- (2) phosphite of calcium and magnesium
- (3) silicates of calcium, magnesium, aluminium or sodium or silicon dioxide
- (4) myristates, palmitates or stearates of aluminium, ammonium, calcium, potassium or sodium

12 In part XIII of the said rules —

(a) for the heading the following heading shall be substituted namely —

"PART XIII—FLAVOURING AGENTS AND RELATED SUBSTANCES "

(b) for rules, 64, 64A, 64AA and 64B the following rules shall be substituted, namely —

"64—solvent in flavour—Diethylene Glycol and Monoethyleneether shall not be used as solvent in flavours

64-A Use of anti oxidants, emulsifying and stabilising agents and food preservatives in flavour—The flavouring agents may contain permitted anti-oxidants, emulsifying and stabilising agents and food preservatives

64B—Use of monosodium glutamate—Monosodium glutamate may be added to an article of food provided the total glutamate content of the ready-to-serve food does not exceed 1 per cent. It shall not be added to any food for use by the infant below twelve months "

13 After Part XV of the said rules the following Part shall be inserted, namely —

"PART XVI—SEQUESTERING AND BUFFERING AGENTS (ACIDS, BASES AND SALTS)

70 Definition of sequestering agents—The sequestering agents are substances which prevent adverse effect of metals catalysing the oxidative breakdown of foods forming chelates, thus inhibiting decolourisation, off taste and rancidity

71 Definition of buffering agents—Buffering agents are materials used to counter acidic and alkaline changes during storage or processing steps, thus improving the flavour and increasing the stability of foods

72 Restrictions on the use of sequestering and buffering agents—Unless otherwise provided in these rules the sequestering and buffering agents specified in column (1) of the Table below, may be used in the groups of food specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, in concentration not exceeding the proportions specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Name of sequestering and buffering agents	Groups of food	Maximum level of use (parts per million) (ppm) (mg/kg)
1	2	3
1 Acetic Acid	(i) Acidulant buffering and neutralising agents in beverages, soft drinks (ii) in canned baby foods	1 limited by G.M.P. 5000

1	2	3
2 Adipic acid	Salt substitute and dietary food	250
3 Ammonium Phosphate monobasic	Bread improver in flour	2,500
4 Ammonium Carbonate	As a leavening agent for baked foods, confections	5,000
5 Calcium gluconate	In confections	2,500
6 Calcium Carbonate	As a neutralizer in number of foods	10,000
7 Calcium oxide	As a neutralizer in specified dairy product	2,500
8 Citric acid Malic acid	Carbonated beverage and as an acidulant in miscellaneous foods	Limited by G.M.P.
9 Gluconolactone	As a leavening agent in cured meat or meat products	5,000
10 DL Lactic acid (food grade)	As acidulant in miscellaneous foods	Limited by G.M.P.
11 Phosphoric acid	Beverages, soft drinks	600
12 Polyphosphate	(a) Processed cheese blend containing less than 6 phosphate moieties	40,000
	(b) Milk Preparations	4,000
	(c) Cake mixes	10,000
	(d) Protein foods	4,000
13 (+) Tartaric acid	Acidulants	600
	— — —	— — —

Note DI Lactic acid and (+) Tartaric acid shall not be added to any food meant for children below 12 months (The lactic acid shall also conform to the specification laid down by the Indian Standards Institution)"

14 In Appendix B to the said rules,—

(a) after item A 10 07 the following item shall be inserted, namely —

"A 10 08—Carob powder means the powder obtained from the roasted pods of carob (fibbled carob) of *Ceratonia Siliqua* (L) Taub (Fam Leguminosae) and shall be free from husk. It shall be free from any artificial colouring, flavouring, extraneous matter or glazing substance and shall be in sound dry and fresh condition free from rancid or obnoxious flavours.

It shall also conform to the following standards, namely —

- (i) Total Ash Not more than 1.2 per cent by weight
- (ii) Acid insoluble matter Not more than 5 per cent by weight
- (iii) Tannin content Not less than 0.1 per cent and not more than 0.15 per cent",

(b) in item A 16 01, A 16 03, A 16 04, A 16 05, A 16 06, A 16 07, A 16 09 and A 16 12, the words and figures "Fumaric acid may be used upto a maximum limit of 0.5 per cent", shall be omitted

(c) in item A 16 02 —

(i) clause (d) shall be omitted

(ii) after clause (d) is so omitted, the following proviso shall be inserted, namely —

"Provided that canned tomato juice may also contain extraneous permitted colour",

(iii) the words and figures "Fumaric acid may be used upto a maximum limit of 0.5 per cent", occurring at the end shall be omitted

Note The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by

- 1 S.R.O. 1202 dt 24-5-56
- 2 S.R.O. 1687 dt 28-7-56
- 3 S.R.O. 2213 dt 28-9-56 (Extraordinary)
- 4 S.P.O. 2755 dt 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by —

- 5 G.S.R. 514 dt 28-6-58
- 6 G.S.R. 1211 dt 20-12-58
- 7 G.S.R. 425 dt 4-4-60
- 8 G.S.R. 169 dt 11-2-61
- 9 G.S.R. 1134 dt 16-9-61
- 10 G.S.R. 1340 dt 4-11-61
- 11 G.S.R. 1564 dt 24-11-62
- 12 G.S.R. 1589 dt 22-10-64
- 13 G.S.R. 1814 dt 11-12-65
- 14 G.S.R. 74 dt 8-1-66
- 15 G.S.R. 382 dt 19-3-66
- 16 G.S.R. 1256 dt 26-8-67
- 17 G.S.R. 1533 dt 24-8-68
- 18 G.S.R. 2163 dt 14-12-68 (Corrigendum)
- 19 G.S.R. 532 dt 8-3-69
- 20 G.S.R. 1764 dt 26-7-69 (Corrigendum)
- 21 G.S.R. 2068 dt 30-8-69
- 22 G.S.R. 1809 dt 24-10-70
- 23 G.S.R. 938 dt 12-6-71
- 24 G.S.R. 992 dt 3-7-71
- 25 G.S.R. 553 dt 6-5-72
- 26 G.S.R. 436 (E) dt 10-10-72
- 27 G.S.R. 133 dt 10-2-73
- 28 G.S.R. 205 dt 23-2-74
- 29 G.S.R. 850 dt 12-7-75
- 30 G.S.R. 508 (E) dt 27-9-75
- 31 G.S.R. 63 (F) dt 5-2-76
- 32 G.S.R. 754 dt 29-5-76
- 33 G.S.R. 856 dt 12-6-76
- 34 G.S.R. 1417 dt 2-10-76
- 35 G.S.R. 4(E) dt 4-1-77
- 36 G.S.R. 18(E) dt 15-1-77
- 37 G.S.R. 651(E) dt 20-10-77
- 38 G.S.R. 732 (E) dt 5-12-77
- 39 G.S.R. 775(E) dt 27-12-77
- 40 G.S.R. 36 (E) dt 21-1-78
- 41 G.S.R. 70 (E) dt 8-2-78
- 42 G.S.R. 238 (E) dt 20-4-78
- 43 G.S.R. 393 (E) dt 4-8-78
- 44 G.S.R. 590 (E) dt 23-12-78
- 45 G.S.R. 55 (F) dt 31-1-79
- 46 S.O. 142 (E) dt 16-3-79 (Corrigendum)
- 47 G.S.R. 231 (F) dt 6-4-79
- 48 G.S.R. 423 dt 30-6-79 (Corrigendum)
- 49 G.S.R. 1043 dt 11-8-79 (Corrigendum)
- 50 G.S.R. 1210 dt 29-9-79 (Corrigendum)

- | | |
|---|---|
| 51. G.S.R. 19(E) dt. 28-1-80 | 75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83 |
| 52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80 | 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83 |
| 53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80 | 77. G.S.R. 268 (E) dt. 16-3-83 |
| 54. G.S.R. 996 dt. 8-9-80 (Corrigendum) | 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-8-83 |
| 55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80 | 79. G.S.R. 329 (E) dt. 14-4-83 (Corrigendum) |
| 56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80 | 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum) |
| 57. G.S.R. 710 (E) dt. 22-12-80 | 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigendum) |
| 58. G.S.R. 23 (E) dt. 16-1-81 | 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum) |
| 59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum) | 83. G.S.R. 790 (F) dt. 10-10-83 |
| 60. G.S.R. 290 (L) dt. 13-4-81 | 84. G.S.R. 808 (L) dt. 27-10-83 |
| 61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum) | 85. G.S.R. 816 (F) dt. 3-11-83 |
| 62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81 | 86. G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83 |
| 63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum) | 87. G.S.R. 848 (L) dt. 19-11-83 |
| 64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum) | 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum) |
| 65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum) | 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum) |
| 66. G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82 | 90. G.S.R. 500 (F) dt. 9-7-84 |
| 67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82 | 91. G.S.R. 612 (E) dt. 18-8-84 (Corrigendum) |
| 68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82 | 92. G.S.R. 744(L) dt. 27-10-84. |
| 69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum) | |
| 70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigendum) | |
| 71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82 | |
| 72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82 | |
| 73. G.S.R. 504 (L) dt. 20-7-82 (Corrigendum) | |
| 74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum) | |

[No. P-15014/6/82-PH(F&N)/PFA]
S.V. SUBRAMANIYAN, Jt. Secy.